सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीतिअपार्टमेंट ,आई.पी.एक्सटेंशन,

पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२६

कक्षा:-7	विषय: हिंदी कहानी संचय	पाठ:3 अवसर

प्रश्न 1. स्कूल की सजावट कैसी थी ?

उत्तर- स्कूल की सजावट ऐसी थी कि कोई भी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सकता था ।

प्रश्न 2. सुभद्रा देवी की कदमों की गति धीमी क्यों हो गई थी?

उत्तर - स्कूल की दीवारों पर, रास्ते में जगह-जगह बने चित्रों और मंच पर लोककला की अद्भुत छटा देखकर सुभद्रा देवी के कदमों की गति धीमी हो गई थी।

प्रश्न 3. कंचन कौन थी ? कंचन ने चित्र बनाना कैसे सीखा?

उत्तर- कंचन दसवीं कक्षा की छात्रा थी। उसने चित्र बनाना अपनी दादी से सीखा था। उसकी दादी हर त्योहार पर घर की दीवारों पर तरह-तरह की कहानियों के चित्र बनाकर सजाया करती थी। कंचन भी उनकी मदद किया करती थी। धीरे-धीरे वह सीखती गई। फिर दादी को कम दिखने लगा, तो वह कंचन से ही चित्र बनवाने लगी।

प्रश्न 4. सुभद्रा देवी कंचन के चित्रों की प्रदर्शनी कहाँ लगवाना चाहती थी ?

उत्तर- सुभद्रा देवी ने कंचन के चित्र की प्रदर्शनी आनंदनगर में प्रादेशिक स्तर की ' हस्तकला कौशल प्रदर्शनी' में लगवाना चाहती थी।

प्रश्न 5. सुभद्रा देवी ने कंचन को प्रोत्साहित करने के लिए क्या किया?
उत्तर- सुभद्रा देवी ने कंचन की कला को प्रोत्साहित करने के लिए उसे प्रादेशिक स्तर पर हस्तकला कौशल प्रदर्शनी में अपने चित्र को प्रदर्शित करने का अवसर दिया तथा उसके लिए फ्री स्टॉल की व्यवस्था भी की।

प्रश्न 6. प्रदर्शनी में कंचन के चित्र कितने रुपयों में बिके थे?
उत्तर- प्रदर्शनों में कंचन के चित्र साढ़े तीन हज़ार में बिके थे।